8. एक या अनेक (वचन)

एक या अनेक द्वारा व्यक्ति, प्राणी अथवा किसी वस्तु की संख्या का बोध होता है। बच्चे अधिकतर एक या अनेक लिखते समय **याँ**, **ऐं**, **इयाँ** आदि की अशुद्धियाँ करते हैं। यदि प्रारंभिक स्तर पर ही उनकी इन त्रुटियों पर ध्यान दिया जाए तो भविष्य में वे इस प्रकार की त्रुटियों से बचे रहेंगे।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पाठ पृष्ठ पर दिए चित्रों और शब्दों के माध्यम से एक-अनेक बताएँ।
- ❖ केला-केले, घड़ी-घड़ियाँ, औरत-औरतें, ताला-ताले आदि शब्दों के उच्चारण करवाते हुए बच्चों को एक-अनेक शब्दों से परिचित करवाएँ।
- ❖ पाठ में दिए अन्य शब्दों को पढ़वाएँ।
- ❖ आप शब्द बोलें तदुपरांत एक-एक कर बच्चों से उनकी एक या अनेक संख्या बताने को कहें।
- ❖ यह भी समझाएँ कि **ई ी** से अंत होने वाले शब्द का अनेक शब्द बनाते समय **ई ी** के स्थान पर **इ ि** हो जाती है। जैसे- टोपी-टोपियाँ, तितली-तितलियाँ आदि।
- ❖ बच्चे अकसर **इ-ई** की गलती ही दोहराते हैं, बार-बार इसका अभ्यास करवाएँ।
- ❖ साथ ही **आ** से अंत होने वाले शब्दों का अनेक शब्द **ए** की मात्रा युक्त होता है, जैसे- थैला-थैले, पंखा-पंखे आदि।
- ❖ इसी प्रकार, **या** से समाप्त होने वाले शब्दों का अनेक शब्द **याँ** होगा। समझाएँ।
- ❖ पाठ अभ्यास करवाने में बच्चों की यथासंभव सहायता करें।